"कोविदार"

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

जुलाई, 2026 विश्वविद्यालय की ई–मासिक न्यूज पत्रिका वर्षः 02 अंकः 01 पृष्ठः 08

संरक्षक

कर्नल डॉ. बिजेन्द्र सिंह

कुलपति

प्रकाशक

श्री विनय कुमार सिंह

कुलसचिव

संपादक

डॉ. विजयेन्दु चतुर्वेदी

जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग

सम्पादकीय मण्डल

डॉ. राज नारायण पाण्डेय

डॉ. अनुराग सिंह

श्री क्षितिज द्विवेदी

संकलन एवं सम्पादन

शगुन जयसवाल शाम्भवी गुप्ता निहारिका सिंह, सृष्टि सोनी, विवेक वर्मा , गरिमा द्विवेदी, मानसी शुक्ला, जिज्ञाशा तिवारी, प्रिंस।

आप सुधी पाठकों के विचार सादर आमंत्रित हैं।

Avadhuniversity@gmail.com

नशा मुक्त अभियान को जनआंदोलन बनाने पर अवध विश्वविद्यालय में मंथन

कुलपति की अध्यक्षता में हुई बैठक, जागरूकता कार्यक्रमों की बनी कार्ययोजना

अयोध्या, 31 जुलाई, 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार संचालित "नशा मुक्त अभियान" के अंतर्गत कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में कौटिल्य प्रशासनिक भवन के भूतल सभागार में एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान की रूपरेखा, आगामी कार्यक्रमों तथा जन–जागरूकता गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए विश्वविद्यालय स्तर पर व्यापक जनसहभागिता सुनिश्चित करने की रणनीति तैयार की गई।

कौटिल्य प्रशासनिक भवन के भूतल सभागार में आयोजित "नशा मुक्त अभियान" की बैठक की अध्यक्षता करते कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह।

कुलपति ने कहा कि नशा मुक्त समाज के निर्माण में शिक्षण संस्थानों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी विभागों, शिक्षकों, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों से अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देने और समाज में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति व्यापक जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। साथ ही विभिन्न संकायों में जागरूकता कार्यक्रम, शपथ ग्रहण, रैली, संगोष्ठी, पोस्टर प्रतियोगिता तथा संवाद कार्यक्रम आयोजित करने पर भी बल दिया गया।

बैठक में कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, विभिन्न संकायाध्यक्ष, आचार्य, शिक्षकगण, प्रशासनिक अधिकारी, बड़ी संख्या में एनसीसी कैडेट तथा छात्र–छात्राओं ने सहभागिता की। इस दौरान अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए विभागवार जिम्मेदारियां निर्धारित करने, अधिकाधिक विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित करने तथा समाज के विभिन्न वर्गों तक जागरूकता संदेश पहुंचाने के लिए समन्वित प्रयास करने पर विस्तार से चर्चा की गई।

कुलपति के नेतृत्व में छात्र–छात्राओं ने निकाली पैदल यात्रा, नशा मुक्त भारत का लिया संकल्प

प्रधानमंत्री के नशा मुक्त अभियान को जनआंदोलन बनाएं: कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह

अयोध्या, 31 जुलाई। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार संचालित श्नशा मुक्त अभियानश के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर से नाका बाईपास तक नशा मुक्ति जागरूकता रैली एवं पैदल यात्रा का आयोजन किया गया। कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में आयोजित इस रैली में बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं, एनसीसी कैडेटों, शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतिभागियों ने हाथों में जागरूकता संबंधी तख्तियां और बैनर लेकर नशे के विरुद्ध जन–जागरण का संदेश दिया तथा लोगों से नशे से दूर रहने का आह्वान किया।

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय परिसर से नाका बाईपास तक आयोजित नशा मुक्ति जागरूकता रैली में सहभागिता करते कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह, शिक्षक, एनसीसी कैडेट एवं छात्र–छात्राएं।

रैली के दौरान प्रतिभागियों ने विभिन्न जागरूकता नारों के माध्यम से समाज को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया। इस अवसर पर कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि युवा शक्ति राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी है और उसे नशे जैसी सामाजिक बुराई से बचाना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों की भूमिका केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वस्थ, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक तैयार करना भी उनका दायित्व है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से नशा मुक्त भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

रैली में कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, विभिन्न संकायाध्यक्ष, आचार्य, शिक्षकगण, प्रशासनिक अधिकारी, एनसीसी कैडेट तथा बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

प्राथमिक विद्यालयों की प्रतिभाएं ही देश का भविष्यः कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह

31वें दीक्षांत समारोह के अंतर्गत भाषण, कहानी एवं चित्रकला प्रतियोगिता

अयोध्या, 29 जुलाई, 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 31वें दीक्षांत समारोह की श्रृंखला के अंतर्गत पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय, मुमताज नगर में कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में भाषण, कहानी एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं ने भाषण, कहानी, चित्रकला तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। कुलपति ने विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई कलाकृतियों का अवलोकन कर उनसे संवाद किया तथा उनकी रचना. त्मक अभिव्यक्तियों की सराहना की।

अपने संबोधन में कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकों और कक्षाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि संस्कृति, कला और अभिव्यक्ति का समन्वय ही विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का आधार है। उन्होंने कहा कि जब कोई बालक चित्रकला में रंग भरता है, भाषण के माध्यम से अपने विचार व्यक्त करता है अथवा पारंपरिक गीतों के जरिए अपनी सांस्कृतिक धरोहर को स्वर देता है, तब वह केवल प्रतियोगिता में भाग नहीं लेता, बल्कि अपनी जड़ों, अपनी पहचान और अपनी अंतर्निहित प्रतिभा से जुड़ता है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ, प्रेरणादायी और सकारात्मक वातावरण मिलने पर ही प्रतिभाएं विकसित होती हैं। प्राथमिक एवं कंपोजिट विद्यालयों में छिपी यही प्रतिभाएं भविष्य में देश और समाज का नेतृत्व करने की क्षमता रखती हैं।

पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय, मुमताज नगर में आयोजित भाषण, कहानी एवं चित्रकला प्रतियोगिता के दौरान छात्र–छात्राओं की कलाकृतियों का अवलोकन एवं उनसे संवाद करते कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य जमीनी स्तर पर मौजूद प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें उचित मंच, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिताओं में चयनित छात्र–छात्राओं को विश्वविद्यालय के 31वें दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति द्वारा सम्मानित एवं पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने स्थानीय लोक–संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए विद्यालय स्तर पर सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर किया गया। संचालन प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक सदक हुसैन ने किया। इस अवसर पर प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, प्रो. नीलम पाठक, प्रो. सुरेन्द्र मिश्र, प्रधानाध्यापक अख्तर बानो, शिक्षकगण, अभिभावक तथा बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति का विकास करती हैंः कुलपति

अयोध्या, 27 जुलाई, 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 31वें दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला का शुभारंभ नवीन परिसर स्थित कौटिल्य प्रशासनिक भवन सभागार में हुआ। कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने भाषण एवं वाद–विवाद प्रतियोगिता के विजेता छात्र–छात्राओं को पुरस्कृत एवं सम्मानित किया।

भाषण एवं वाद–विवाद प्रतियोगिता के विजेता छात्र–छात्राओं को सम्मानित करते कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह।

कुलपति ने कहा कि प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में आत्म. विश्वास, तार्किक चिंतन, प्रभावी अभिव्यक्ति तथा स्वस्थ लोकतांत्रिक संवाद की भावना को विकसित करती हैं। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास का उत्सव है और आज के प्रतिस्पर्धी दौर में तर्कपूर्ण एवं प्रभावी अभिव्यक्ति सफलता की महत्वपूर्ण कुंजी है। कुलसचिव विनय कुमार सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को उनकी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय परिसर एवं संबद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, प्रो. नीलम पाठक, डॉ. मनीष सिंह, डॉ. शशिकला सिंह, डॉ. अंकित मिश्र, डॉ. शिवांश कुमार सहित शिक्षकगण एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

मूल्यांकन में पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता, अनियमितता पर होगी सख्त कार्रवाईः कुलपति

अयोध्या, 28 जुलाई, 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने विश्वविद्यालय के परीक्षा मूल्यांकन केंद्र का औचक निरीक्षण कर उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन कार्य का जायजा लिया। उन्होंने केंद्र पर उपस्थित परीक्षकों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिया कि मूल्यांकन कार्य पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता और सावधानी के साथ संपन्न किया जाए। कुल. पति ने कहा कि परीक्षा प्रणाली विश्वविद्यालय की साख और विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ी अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, इसलिए किसी भी स्तर पर लाप. रवाही या अनियमितता स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि अनियमितता पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि आगामी दीक्षांत समारोह से पूर्व सभी पाठ्यक्रमों का मूल्यांकन कार्य पूर्ण कर परीक्षा परिणाम घोषित करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन प्रतिबद्ध है। मूल्यांकन केंद्र प्रभारी राजेश पांडेय ने बताया कि विभिन्न विषयों की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में 250 से अधिक परीक्षक लगाए गए हैं।

परीक्षा मूल्यांकन केंद्र का निरीक्षण कर परीक्षकों को आवश्यक दिशा–निर्देश देते कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह।

डिस्क्लेमर : ई–पत्रिका का प्रकाशन पूरी तरह से शैक्षणिक विकास को समर्पित है, इसका कोई भी व्यावसायिक हित नहीं है। सर्वाधिकार @ डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

शिक्षक युवाओं में राष्ट्रभक्ति और संस्कार विकसित करें: कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह

अवध विश्वविद्यालय में मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण कार्यक्रम

अयोध्या, 26 जुलाई, 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में आयोजित 'मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा कार्ड' वितरण कार्यक्रम में कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने इसे प्रदेश सरकार की ऐतिहासिक एवं जनकल्याणकारी पहल बताया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी देखा गया।

अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति ने कहा कि गुरु पूर्णिमा से पूर्व शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को कैशलेस चिकित्सा कार्ड का उपहार मिलना प्रदेश सरकार की संवेदनशील सोच का परिचायक है। यह योजना शिक्षकों और उनके परिवारों के लिए प्रभावी स्वास्थ्य सुरक्षा कवच सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में गुरु का स्थान सर्वोच्च रहा है और देश के स्वर्णिम भविष्य का निर्माण शिक्षकों के कंधों पर ही निर्भर करता है। उन्होंने शिक्षकों से विकसित भारत–2047 के संकल्प को साकार करने के लिए विद्यार्थियों को तकनीकी रूप से दक्ष, संस्कारवान और राष्ट्रभक्त बनाने का आह्वान किया। साथ ही युवाओं को देशविरोधी गतिविधियों से दूर रखते हुए राष्ट्र उत्थान के लिए प्रेरित करने पर बल दिया।

'मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा कार्ड' वितरण कार्यक्रम में मंचासीन कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह, कुलसचिव विनय कुमार सिंह, मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह एवं अन्य गणमान्य अतिथि।

प्राचार्य प्रो. दानपति त्रिपाठी ने कहा कि इस योजना से शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा सहज रूप से उपलब्ध होगी। राजा मोहन गर्ल्स पीजी कॉलेज की प्राचार्या प्रो. मंजूषा मिश्र ने विद्यार्थियों में संस्कार, संस्कृति और भारतीय मूल्यों के संवर्धन पर जोर दिया। धन्यवाद ज्ञापन में कुलसचिव विनय कुमार सिंह ने कारगिल विजय दिवस के अवसर पर इस योजना को प्रदेश सरकार की ओर से शिक्षकों के लिए महत्वपूर्ण उपहार बताया तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, राज्य मंत्री रजनी तिवारी एवं प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा एम.पी. अग्रवाल के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। आयोजन अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक के संयोजन में तथा संचालन इं. शांभवी शुक्ला ने किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह, मुख्य नियंता प्रो. एसएस मिश्र, प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, प्रो. फर्रुख जमाल, प्रो. अनूप कुमार, प्रोक्टर गंगाराम मिश्र, प्रो. एसके रायजादा सहित 500 से अधिक शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जलवायु परिवर्तन और खाद्य सुरक्षा पर प्रभावी कार्ययोजना समय की जरूरत: कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह

गोरखपुर विश्वविद्यालय के एमएमटीटीसी में एसडीजी आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

गोरखपुर, 27 जुलाई, 2026। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के यूजीसी–मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) द्वारा आयोजित 'जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा एवं जनस्वास्थ्य' विषयक सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) सप्ताहव्यापी शॉर्ट टर्म प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन सोमवार को हुआ। कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से जुड़े शिक्षकों एवं शिक्षाविदों ने सहभागिता की। मुख्य अतिथि डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या के कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि बढ़ते जलवायु परिवर्तन के दौर में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कार्ययोजना और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने "वन मिशन, वन विजन" की अवधारणा पर बल देते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक भागीदारी से ही इसे सफल बनाया जा सकता है। उन्होंने गंगा सहित प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को मानव अस्तित्व से जोड़ते हुए पर्यावरणीय चेतना विकसित करने का आह्वान किया।

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के एमएमटीटीसी में आयोजित 'जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा एवं जनस्वास्थ्य' विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्य अतिथि अवध विवि के कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह।

विशिष्ट अतिथि महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के प्रो. अवधेश कुमार ने जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा और जनस्वास्थ्य को परस्पर जुड़ी चुनौतियां बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने की। एमएमटीटीसी के निदेशक प्रो. अजय कुमार शुक्ल ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। समन्वयक डॉ. राकेश पाण्डेय ने बताया कि देश के अनेक राज्यों से विभिन्न विषयों के शिक्षकों ने प्रशिक्षण में भाग लिया। अंत में डॉ. तुलिका मिश्रा ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर शिक्षक एवं प्रतिभागी मौजूद रहे।

विकसित भारत–2047 के लक्ष्य में युवाओं की भूमिका सर्वोपरि: डॉ. प्रियंका सिंह

अयोध्या, 4 जुलाई, 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग में 'विकसित भारत में युवाओं की भूमिका' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिला. सपुर की डॉ. प्रियंका सिंह ने कहा कि विकसित भारत–2047 के लक्ष्य को साकार करने में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भारत की युवा शक्ति नवाचार, तकनीकी विकास, उद्यमिता और सामाजिक परिवर्तन की सबसे बड़ी आधारशिला है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) सहित आधुनिक तकनीकों का प्रभावी एवं जिम्मेदार उपयोग भारत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिला रहा है। विभागाध्यक्ष प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रविन्द्र भारद्वाज ने किया।

अवध विश्वविद्यालय में 'मियावाकी गार्डन' का शुभारंभ, पर्यावरण संरक्षण की नई पहल

वृक्षों का संरक्षण ही मानव सभ्यता की सुरक्षा: कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह

अयोध्या, 12 जुलाई, 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के नवीन परिसर में उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में बृहद वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया। इस अवसर पर कुलपति ने विश्वविद्यालय परिसर में 'मियावाकी गार्डन' का शुभारंभ किया। लगभग 3200 वर्ग मीटर क्षेत्र में विकसित किए जा रहे इस विशेष उद्यान में स्थानीय प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे, जिससे कम समय में सघन हरित क्षेत्र विकसित कर जैव विविधता को बढ़ावा दिया जा सके।

इस अवसर पर कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि वन प्रकृति द्वारा मानव सभ्यता को मिला सबसे अनमोल उपहार हैं। इनके बिना पृथ्वी पर जीवन, पर्यावरण संतुलन और जैव विविधता की कल्पना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि मियावाकी तकनीक वैज्ञानिक दृष्टि से अत्यंत प्रभावी पद्धति है, जिसके माध्यम से कम स्थान में पारंपरिक वनों की तुलना में कई गुना तेजी से सघन वन विकसित किए जा सकते हैं। स्थानीय प्रजातियों के पौधों के रोपण से जैव विविधता का संरक्षण होगा और जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने में भी सहायता मिलेगी।

अवध विश्वविद्यालय के नवीन परिसर में 'मियावाकी गार्डन' का शुभारंभ कर वृक्षारोपण करते कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह तथा उपस्थित शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राएं।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय का मियावाकी गार्डन केवल वृक्षारोपण का स्थल नहीं होगा, बल्कि पर्यावरण विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, प्राणी विज्ञान, कृषि, सिविल इंजीनियरिंग, पारिस्थितिकी, कार्बन पृथक्करण तथा जलवायु परिवर्तन पर अध्ययन और शोध के लिए 'लिविंग ग्रीन लेबोरेटरी' के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से कम से कम एक पौधा गोद लेकर उसके संरक्षण की जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति का संदेश 'जो वृक्षों की रक्षा करते हैं, वृक्ष उनकी रक्षा करते हैं' आज भी उतना ही प्रासंगिक है।

अभियान में विश्वविद्यालय के कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, मुख्य नियंता प्रो. एसएस मिश्र, प्रो. चयन कुमार मिश्र, प्रो. नीलम पाठक, प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, प्रो. शैलेन्द्र कुमार, प्रो. विनोद श्रीवास्तव, प्रो. फर्रुख जमाल, प्रो. शैलेन्द्र वर्मा, प्रो. सिद्धार्थ शुक्ल, प्रो. एसके रायजादा, प्रो सुरेन्द्र मिश्र, डॉ. विनोद चौधरी, डॉ. संजय चौधरी, डॉ. राजेश सिंह, डॉ. अवध नरायन, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. दिवाकर त्रिपाठी, सहित विभिन्न संकायों के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं ने वृक्षारोपण किया।

दीक्षांत समारोह से जुड़े पारंपरिक खेलों में ग्रामीण बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

अयोध्या, 22 जुलाई, 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 31वें दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय, मुमताज नगर में पारंपरिक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन तथा अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक एवं प्रो. सुरेंद्र मिश्र के संयोजन में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में बच्चों ने पोशमपा, गिट्टी फोड़, सतोलिया और किट–किट जैसे पारंपरिक अवध खेलों में उत्साहपूर्वक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रो. नीलम पाठक ने बताया कि उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 50 बच्चों को विश्वविद्यालय के 31वें दीक्षांत समारोह में आमंत्रित किया जाएगा, जबकि 10 चयनित बाल कलाकार मुख्य मंच पर सांस्कृतिक प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देना और पारंपरिक खेल संस्कृति को पुनर्जीवित करना है। इस अवसर पर प्रतिभागी मौजूद रहे।

भारतीय ज्ञान परंपरा और नैतिक प्रबंधन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न

अयोध्या, 18 जुलाई, 2026। अवध विश्वविद्यालय के श्रीराम शोध पीठ में व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग तथा श्रीराम शोध पीठ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन शोध पत्र प्रस्तुतियों के साथ हुआ। संगोष्ठी में 25 शोधार्थियों ने भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों एवं आधुनिक प्रबंधन पर आधारित शोध पत्र प्रस्तुत किए। समापन सत्र में प्रो. हिमांशु शेखर सिंह ने नैतिकता, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व को सफल प्रबंधन की आधारशिला बताया। मु ख्य वक्ता प्रो. रितु नारंग ने विभागाध्यक्ष प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा सिंह ने आभार व्यक्त किया तथा उत्तरदायी नेतृत्व पर बल दिया, ने संगोष्ठी को ज्ञानवर्धक बताया। जबकि प्रो. अजय प्रकाश ने संचालन डॉ. राकेश कुमार ने भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रबंधन में किया। इस अवसर पर शिक्षक एवं प्रासंगिकता बताई। डॉ. राना रोहित प्रतिभागी मौजूद रहे।

अविवि में नशा मुक्ति पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित

अयोध्या, 29 जुलाई, 2026। अवध विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश शासन के नशा मुक्त अभियान के अंतर्गत सिंधी अध्ययन केंद्र में पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित हुई। प्रतियोगिता में श्वेता दुबे प्रथम, क्षमा सिंह द्वितीय तथा ईशा प्रजापति तृतीय रही। निर्णायक मंडल में शालिनी पांडेय, रत्नेश यादव एवं विनीता पटेल शामिल रहीं। इस अवसर पर प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, प्रो. नीलम पाठक, डॉ. स्नेहा पटेल, डॉ. कपिल कुमार, अमन विक्रम सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

भारतीय ज्ञान परंपरा आधुनिक प्रबंधन की सशक्त आधारशिला: कुलपति डॉ. बिजेंद्र

पीएम–उषा योजना के अंतर्गत राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ, 227 प्रतिभागियों ने कराया पंजीयन

अयोध्या, 16 जुलाई, 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंधन एवं उद्यमिता विभाग तथा श्रीराम शोधपीठ के संयुक्त तत्वावधान में पीएम–उषा योजना के अंतर्गत 'प्रबंधन में भारतीयता रू भारतीय ज्ञान परंपरा का समकालीन महत्व' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ संत कबीर सभागार में हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि प्र ख्यात प्रबंधन शिक्षाविद प्रो. एस.एस. खनका, विशिष्ट अतिथि महंत रामदास एवं महंत राजूदास रहे, जबकि अध्यक्षता कुलपति प्रो. बिजेंद्र सिंह ने की।

'प्रबंधन में भारतीयता: भारतीय ज्ञान परंपरा का समकालीन महत्व' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन करते कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह, प्रो. एस.एस. खनका, महंत रामदास, महंत राजूदास तथा अन्य अतिथि।

अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा और सनातन संस्कृति प्रभावी प्रबंधन की मूल आधारशिला हैं। उन्होंने आदि शंकराचार्य की शिक्षा व्यवस्था को उत्कृष्ट असाइनमेंट के माध्यम से व्यवहारिक शिक्षा प्रबंधन का उदाहरण बताते हुए विद्यार्थियों तथा शिक्षकों से टास्क ओरिएंटेड अनुशासन और आत्मविश्वास को सफल नेतृत्व की कुंजी बताया। महंत रामदास ने भगवान श्रीराम के जीवन को आदर्श प्रबंधन का उदाहरण बताते हुए धैर्य, समन्वय और लोककल्याण पर बल दिया, जबकि महंत राजूदास ने भारतीय ज्ञान परंपरा को विश्व के लिए मार्गदर्शक बताया।

प्रारंभ में वाणिज्य संकायाध्यक्ष प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि संगोष्ठी में 227 प्रतिभागियों ने पंजीयन कराया है। समापन पर प्रो. हिमांशु शेखर सिंह ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनीषा यादव ने किया। उद्घाटन सत्र में प्रो. एस.एस. मिश्र, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक, प्रो. सिद्धार्थ शुक्ल, प्रो. फर्रुख जमाल, डॉ. राणा रोहित सिंह, डॉ. महेंद्र पाल सिंह, डॉ. राकेश कुमार सहित शिक्षकगण, शोधार्थी एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

अवध विवि की पांच पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न

अयोध्या, 17 जुलाई, 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। प्रवेश परीक्षा के मुख्य समन्वयक प्रो. शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों तथा 30 पर्यवेक्षकों की निगरानी में परीक्षा कराई गई। कुल 9,529 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 6,852 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि 2,677 अनुपस्थित पाए गए। उपस्थित अभ्यर्थियों में एलएलबी के 6,012, डी.फार्म के 83, बी.फार्म के 173, एलएलएम के 259 तथा एम. एड. के 325 अभ्यर्थी शामिल रहे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा को पूरी पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ संपन्न कराया। विवि के कुलसचिव विनय कुमार सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रवेश परीक्षा को पूर्ण पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं सुचारु व्यवस्था के साथ संपन्न कराया है। शीघ्र ही परीणाम घोषित कर दिए जायेंगे।

आवासीय पाठ्यक्रमों की पांच विषयों की प्रवेश परीक्षा

देसी खेलों में गूंजा उत्साह, ग्रामीण प्रतिभाओं को मिला विश्वविद्यालय का मंच

अयोध्या, 25 जुलाई, 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 31वें दीक्षांत समारोह के अंतर्गत कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए कंपोजिट विद्यालय नंदीग्राम एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय बिहारीपुर में पारंपरिक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में बच्चों ने कबड्डी, पोशमपा, योग डांस, गिनतारी और किटकिट जैसे देसी खेलों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना, बच्चों में खेल भावना, अनुशासन तथा भारतीय संस्कृति के प्रति जुड़ाव विकसित करना है। उन्होंने कहा कि चयनित छात्र–छात्राओं को 31वें दीक्षांत समारोह की मुख्य गतिविधियों में भी शामिल किया जाएगा। इस अवसर पर प्रो. सुरेंद्र मिश्रा, डॉ. दिनेश कुमार सिंह, डॉ. अंकित मिश्रा तथा डॉ. शिवांश सहित बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

कंपोजिट विद्यालय नंदीग्राम एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय बिहारीपुर में आयोजित पारंपरिक खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेते छात्र–छात्राएं तथा उपस्थित शिक्षकगण।

भारतीय विधि परंपरा आज भी प्रासंगिक: प्रो. दानपति

अयोध्या, 24 जुलाई। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 31वें दीक्षांत समारोह के अंतर्गत कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में आयोजित पूर्व–दीक्षांत व्याख्यान श्रृंखला में विधि विभाग एवं सेंटर फॉर लीगल स्टडीज द्वारा 'धर्म, न्याय और विधि: संस्कृत साहित्य का विधिशास्त्रीय अनुशीलन' विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता प्रो. दानपति त्रिपाठी ने कहा कि भारतीय संस्कृत साहित्य में निहित धर्म, न्याय और विधि के सिद्धांत आज भी न्याय व्यवस्था के लिए अत्यंत प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि मनुस्मृति, याज्ञवल्क्य स्मृति, महाभारत सहित प्राचीन ग्रंथ भारतीय विधिक परंपरा की समृद्ध विरासत के सशक्त प्रमाण हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. अशोक कुमार राय ने की। प्रो. अजय कुमार सिंह, डॉ. शशि कुमार, डॉ. संतोष पाण्डेय, डॉ. विवेक एवं डॉ. वंदना गुप्ता ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस कार्यक्रम में शिक्षक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे।

विधि विभाग के विशेष व्याख्यान में मुख्य वक्ता प्रो. दानपति त्रिपाठी को सम्मानित करते अतिथि।

3 अगस्त से शुरू होंगी दीक्षांत खेल प्रतियोगिताएं

अयोध्या, 31 जुलाई, 2026। कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में अवध विश्वविद्यालय की 31वीं दीक्षांत खेल प्रतियोगिताएं 3 से 7 अगस्त तक न्यू आईटी परिसर में आयोजित होंगी। इसमें छात्र–छात्राएं, शिक्षक, कर्मचारी एवं संबद्ध महाविद्यालयों की टीमें प्रतिभाग करेंगी।

योग्य विद्यार्थियों को मिलेगा प्रवेश का अवसर, जरूरत पर बढ़ेंगी सीटें: कुलपति

प्रवेश प्रक्रिया की समीक्षा, नवागत छात्रों के लिए हेल्पडेस्क स्थापित करने के निर्देश

अयोध्या, 25 जुलाई, 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन सभागार में कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में परिसर में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों की प्रवेश प्रगति की समीक्षा हेतु आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी विभागाध्यक्षों एवं समन्वयकों के साथ प्रवेश प्रक्रिया की अद्यतन स्थिति और प्राप्त आवेदनों की विस्तार से समीक्षा की गई।

प्रवेश प्रक्रिया की समीक्षा बैठक में कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह, कुलसचिव विनय कुमार सिंह तथा विभागाध्यक्षों एवं समन्वयकों के साथ चर्चा करते हुए।

बैठक को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय का लक्ष्य प्रत्येक विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि प्रवेश प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, सरल और छात्रहितैषी होनी चाहिए। जिन पाठ्यक्रमों में निर्धारित सीटों से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, वहां योग्य विद्यार्थियों के हित में सीटें बढ़ाने की संभावनाओं पर सकारात्मक विचार किया जा रहा है, ताकि कोई भी पात्र अभ्यर्थी अवसर से वंचित न रहे।

कुलपति ने नवागत विद्यार्थियों की सुविधा के लिए सभी विभागों में तत्काल हेल्पडेस्क स्थापित करने तथा प्रवेश से संबंधित आवश्यक जानकारी एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने परिसर में आने वाले नए विद्यार्थियों के लिए पेयजल, बैठने की व्यवस्था, सूचना सहायता तथा अन्य मूलभूत सुविधाएं प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। बैठक में कुलसचिव विनय कुमार सिंह, प्रो. शैलेन्द्र कुमार, प्रो. एस.एस. मिश्र, प्रो. आशुतोष सिन्हा, प्रो. चयन कुमार मिश्र, प्रो. फर्रुख जमाल, प्रो. सिद्धार्थ शुक्ल, प्रो. एस.के. रायजादा, प्रो. नीलम पाठक, प्रो. गंगाराम मिश्र, प्रो. अनूप कुमार, डॉ. पीके द्विवेदी अन्य उपस्थित रहे।

अवध विश्वविद्यालय में नशा मुक्त अभियान का शुभारंभ, दिलाई गई शपथ

अयोध्या, 25 जुलाई, 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश शासन के नशा मुक्त अभियान का शुभारंभ सिंधी अध्ययन केंद्र में हुआ। कुलपति ने अपने संदेश में कहा कि नशामुक्त युवा ही राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला हैं तथा विद्यार्थियों से नशे से दूर रहकर समाज को जागरूक करने का आह्वान किया। प्रो. नीलम पाठक, प्रो. अनूप कुमार एवं प्रो. गंगाराम मिश्र की उपस्थिति में शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने नशामुक्ति की शपथ ली। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विजयेन्दु चतुर्वेदी तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. शिवांश कुमार ने किया। इस अवसर पर डॉ. राजेश सिंह, डॉ. अवध नारायण, डॉ. महेंद्र सिंह, डॉ. शशि सिंह, डॉ. नीलम सिंह, डॉ. प्रतिभा सिंह, डॉ. प्रतिभा त्रिपाठी, डॉ. कपिल कुमार, डॉ. दिलीप सिंह, डॉ. आर.एन. पाण्डेय, अमन प्रताप सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने अवध विश्वविद्यालय की उपलब्धियों की प्रदर्शनी का किया अवलोकन

अयोध्या, 26 जुलाई, 2026। आगरा में आयोजित मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के शुभारंभ समारोह में कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय द्वारा लगाई गई विशेष प्रदर्शनी का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अवलोकन किया। विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर रहे डॉ. विनोद कुमार चौधरी, डॉ. नवीन पटेल एवं क्षितिज द्विवेदी ने मुख्यमंत्री को शिक्षा, अनुसंधान, पर्यावरण संरक्षण तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़ी विश्वविद्यालय की प्रमुख उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने श्रीराम शोध पीठ, मियावाकी वन, भारतीय ज्ञान प्रणाली तथा वायु गुणवत्ता निगरानी तंत्र की भी जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने श्रीराम शोध पीठ में प्राचीन पांडुलिपियों के संरक्षण एवं शोध कार्य को और अधिक गति देने के निर्देश दिए।

नशा मुक्त अभियान के तहत भाषण प्रतियोगिता, मंजू शर्मा रहीं प्रथम

अयोध्या, 28 जुलाई, 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में संचालित नशा मुक्त अभियान के अंतर्गत सिंधी अध्ययन केंद्र में भाषण प्रतियोगिता एवं विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में एम.ए. इंटरनेशनल रिलेशंस की मंजू शर्मा प्रथम, बी.ए. की सृजनिका मिश्रा एवं एम.ए. समाजशास्त्र के प्रांजल श्रीवास्तव संयुक्त रूप से द्वितीय रहे। प्रो. फर्रुख जमाल ने नशे के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से नशामुक्त समाज के निर्माण का आह्वान किया। प्रो. नीलम पाठक, प्रो. सुरेंद्र मिश्र एवं प्रो. अनूप कुमार ने अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत की।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. विजयेन्दु चतुर्वेदी ने किया। इस अवसर पर डॉ. प्रतिभा सिंह, डॉ. शिवांश कुमार, डॉ. अंकित मिश्रा, विनीता मोटवानी, शालिनी पाण्डेय, डॉ. प्रतिभा त्रिपाठी, डॉ. शाम्भवी शुक्ला, डॉ. कपिल कुमार, विनय शर्मा, अमन विक्रम सिंह सहित शिक्षक एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

दीक्षांत सप्ताह में काव्य लेखन एवं काव्य पाठ प्रतियोगिता आयोजित

अयोध्या, 29 जुलाई, 2026। अवध विश्वविद्यालय के 31वें दीक्षांत समारोह सप्ताह के अंतर्गत संत कबीर सभागार में कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में काव्य लेखन एवं काव्य पाठ प्रतियोगिता आयोजित हुई। काव्य लेखन में प्रांजुल गुप्ता प्रथम, अभिषेक श्रीवास्तव द्वितीय तथा गौरव शुक्ला एवं हिमाद्री संयुक्त रूप से तृतीय रहे। निर्णायक मंडल में डॉ. शांभवी शुक्ला, डॉ. मणिकांत त्रिपाठी, डॉ. स्नेहा पटेल तथा आयोजन में डॉ. शिवांश कुमार, डॉ. अंकित मिश्र, प्रवीण मिश्र, शुभम शर्मा एवं निहारिका श्रीवास्तव की भूमिका रही।

कुलपति की बड़ी कार्रवाई, प्राचार्य का अनुमोदन निरस्त

मूल्यांकन में अनियमितता और छात्रहितों से खिलवाड़ पर कड़ा फैसला

अयोध्या, 28 जुलाई, 2026। डॉ. बिजेंद्र सिंह के आदेश पर माँ दुर्गा रामनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के मूल्यांकन भवन में उत्तर–पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में गंभीर लापरवाही एवं कोड ऑफ एथिक्स के उल्लंघन के मामले में विश्वविद्यालय प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की है। कुलपति डॉ.

मूल्यांकन भवन में उत्तर–पुस्तिकाओं के मूल्यांकन कार्य का निरीक्षण करते कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह।

सर्वोदय महाविद्यालय, अरवल (सुल्तानपुर) के प्राचार्य डॉ. आलोक कुमार श्रीवास्तव का विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त अनुमोदन तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया है।

मूल्यांकन पर्यवेक्षकों की रिपोर्ट में बताया गया कि डॉ. श्रीवास्तव द्वारा मनोविज्ञान विषय की उत्तर–पुस्तिकाओं का मूल्यांकन अत्यंत लापरवाही से किया गया। जांच में पाया गया कि कुछ प्रश्नों के उत्तर लिखे बिना ही अंक प्रदान किए गए तथा आंतरिक पृष्ठों पर दिए गए अंकों को मुख्य पृष्ठ पर अंकित नहीं किया गया। विश्वविद्यालय ने इसे छात्रहितों के विपरीत, मूल्यांकन प्रक्रिया की शुचिता के विरुद्ध तथा शिक्षक–प्राचार्य के लिए निर्धारित कोड ऑफ एथिक्स का गंभीर उल्लंघन माना। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया कि परीक्षा प्रणाली में किसी भी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही को किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं किया जाएगा।

अवध विवि में 300 छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण

अयोध्या, 30 जुलाई, 2026। डॉ. रामनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में आगामी दीक्षांत समारोह के उपलक्ष्य में कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन एवं कुलाधिपति के निर्देशों के अनुपालन में महिला छात्रावास की छात्राओं के लिए विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ. दीपशिखा चौधरी ने बताया कि अब तक अहिल्याबाई होल्कर एवं आचार्य नरेंद्र देव महिला छात्रावास की लगभग 300 छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया जा चुका है। शिविर में ब्लड प्रेशर, शुगर, कैल्शियम तथा आवश्यकतानुसार अल्ट्रासाउंड जांच की गई। इस अभियान में मुख्य चिकित्सा अधिकारी, महिला अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विभा, नोडल अधिकारी पी.सी. भारती तथा सुमित अरोड़ा सहित चिकित्सा विभाग की टीम ने सहयोग किया। शिविर के सफल आयोजन में प्रो. नीलम पाठक, डॉ. दीपशिखा दूबे, पदमा देवी एवं सुनील यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दीक्षांत समारोह के बाद "मां–बेटी सम्मेलन" के दौरान भी स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा।

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में जांच कराती छात्राएं।

अवध विवि ने जारी किया पांच पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा परिणाम

अयोध्या, 29 जुलाई, 2026। बी.फार्म एवं डी.फार्म प्रवेश वेबसाइट पर अपलोड कर डॉ. राममनोहर लोहिया अवध परीक्षाओं का परिणाम घोषित दिए गए हैं। एलएलबी में सत्यम यादव, एलएलएम में संगम यादव, बी.फार्म में आयुषी तिवारी तथा डी. फार्म में अमित कुमार पांडेय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बैठक में कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, डॉ. प्रशांत विश्वविद्यालय में कुलपति डॉ. किया गया। प्रवेश समन्वयक सिंह, डॉ. अनुराग सिंह, डॉ. बिजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में प्रो. शैलेंद्र कुमार ने बताया अंकुर श्रीवास्तव एवं डॉ. आयोजित बैठक में एलएलबी कि कुलपति के निर्देशानुसार महेंद्र सिंह सहित अन्य (3वर्षीय), एलएलएम, एमएड, परिणाम विश्वविद्यालय की उपस्थित रहे।

अवध विवि में 'एक वृक्ष माँ के नाम' अभियान के तहत हुआ वृक्षारोपण

अयोध्या, 19 जुलाई, 2026। अवध विश्वविद्यालय में कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह के विशेष निर्देश पर स्वच्छता एवं बागवानी प्रकोष्ठ द्वारा 'एक वृक्ष माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कला. त्मक जीवंत वाटिका में डॉ. अवधेश मिश्र ने आम, प्रो. शालिनी त्रिपाठी ने अमरूद तथा प्रो. पुष्पेन्द्र कुमार त्रिपाठी ने इमली का पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण एवं औषधीय पौधों के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम ार्थी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में संयोजक प्रो. विनोद कुमार श्रीवास्तव ने छात्र–छात्राओं ने सहभागिता कर बताया कि कार्यशाला के दौरान 50 से अधिकाधिक वृक्षारोपण और पौधों के अधिक फलदार पौधे लगाए गए। इस संरक्षण का संकल्प लिया।

अवध अवसर पर प्रो. के.के. वर्मा, डॉ. रीमा सिंह,

'एक वृक्ष माँ के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण करते अतिथि।

इतिहास विभाग के नवप्रवेशित छात्रों का ओरिएंटेशन आयोजित

अयोध्या, 31 जुलाई, 2026। इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग में कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में नवप्रवे. शित छात्र–छात्राओं का ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं विभागीय शिक्षकों ने अपना परिचय दिया। डॉ. राजेश कुमार सिंह ने इतिहास अध्ययन के महत्व, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, उपयोग तथा गुरु–शिष्य संवाद की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को व्यक्तित्व विकास और वैज्ञानिक दृ ष्टिकोण अपनाने का संदेश दिया। डॉ. संजय चौधरी ने भी ओरिएंटेशन व्याख्यान दिया। अंत में शोधार्थी ज्ञानप्रकाश एआई के तिवारी, ऊषा वर्मा, अमरेश्वर सिंह, विकास वर्मा एवं सूरज सिंह ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को विभाग एवं परिसर का भ्रमण कराया।

अवध विवि की प्रायोगिक एवं मौखिकी परीक्षाएं 27 व 28 जुलाई को

अयोध्या, 18 जुलाई, 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की सत्र 2025–26 की वार्षिक पाठ्यक्रमों एवं विगत वर्षों के छूटे छात्र–छात्राओं की प्रायोगिक एवं मौखिकी परीक्षाएं 27 व 28 जुलाई को कासु. साकेत पीजी कॉलेज, अयोध्या में आयोजित होंगी। परीक्षा नियंत्रक विनय कुमार सिंह ने बताया कि अभ्यर्थी प्रातः 10 बजे परीक्षा केंद्र पर उपस्थित हों। विगत वर्षों के छूटे परीक्षार्थी 25 जुलाई तक विश्वविद्यालय के गोपनीय कार्यालय से अपना प्रवेश–पत्र प्राप्त कर लें।

कैंपस बुलेटिन

- अयोध्या, 01 जुलाई, 2026। कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने नए शैक्षणिक सत्र की तैयारियों की समीक्षा कर स्मार्ट क्लासरूम, आधुनिक प्रयोगशालाओं व छात्र–केंद्रित सुविधाओं पर जोर दिया।
- अयोध्या, 02 जुलाई, 2026। कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने विश्वविद्यालय के मूल्यांकन केंद्र का औचक निरीक्षण कर पारदर्शी, निष्पक्ष एवं समयबद्ध मूल्यांकन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।
- अयोध्या, 02 जुलाई, 2026। अवध विश्वविद्यालय ने छात्रहित में संबद्ध महाविद्यालयों के स्नातक–परास्नातक प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 जुलाई, 2026 कर दी है।
- अयोध्या, 03 जुलाई, 2026। अवध विश्वविद्यालय में कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क प्रतियोगी परीक्षा कोचिंग सेल स्थापित करने का निर्णय लिया गया।
- अयोध्या, 08 जुलाई, 2026। बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने अवध विश्वविद्यालय के बी.ए. एलएल.बी. एवं एलएल.बी. पाठ्यक्रमों को मान्यता प्रदान की, कुलपति ने इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बताया।
- अयोध्या, 07 जुलाई, 2026। कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने पीएम–उषा योजना के तहत विज्ञान प्रयोगशालाओं को अत्याधुनिक उपकरणों और सॉफ्टवेयर से सुसज्जित करने के निर्देश दिए।
- अयोध्या, 08 जुलाई, 2026। अवध विश्वविद्यालय में एनएसएस अंशकालिक कार्यक्रम समन्वयक पद हेतु आवेदन की अंतिम तिथि 22 जुलाई तक बढ़ाई गई।

भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक तकनीक का संगम जरूरी: कुलपति

अवध विवि के केंद्रीय पुस्तकालय में आधुनिक शैक्षणिक सुविधाओं की सौगात

अयोध्या, 24 जुलाई, 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय में कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कंप्यूटर लैब, आईसीटी रिसोर्स सेंटर, कंपटीशन सेल, भारतीय ज्ञान परंपरा दीर्घा, संदर्भ दीर्घा तथा शोधार्थियों के लिए श्कीबोश सॉफ्टवेयर का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि पुस्तकालय किसी भी शैक्षणिक संस्थान का हृदय होता है और आधुनिक तकनीक के साथ पारंपरिक ज्ञान का समन्वय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि नई सुविधाओं से विद्यार्थियों को डिजिटल अध्ययन, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी तथा भारतीय ज्ञान परंपरा के अध्ययन में विशेष सहायता मिलेगी। कुलपति ने दिव्यांग शोधार्थियों के लिए "कीबो" सॉफ्टवेयर को समावेशी शिक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। कार्यक्रम में प्रभारी पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. सिद्धार्थ शुक्ल, प्रो. गंगाराम मिश्र, डॉ. रामनिवास गौड़, हिमांशु मिश्र, पूजा मिश्र, सहित शिक्षक, शोधार्थी एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

केंद्रीय पुस्तकालय में कंप्यूटर लैब एवं आईसीटी रिसोर्स सेंटर का शुभारंभ करते कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह।

अवध विवि में श्रद्धा और गौरव के साथ मनाया गया कारगिल विजय दिवस

अयोध्या, 26 जुलाई, 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में 27वें कारगिल विजय दिवस पर 10/65 यूपी एनसीसी कंपनी द्वारा 'गौरव स्मरण' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में देशभक्ति, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा की भावना का विकास करना था। कार्यक्रम का संचालन कंपनी कमांडर कैप्टन प्रो. शैलेन्द्र कुमार वर्मा ने किया। उन्होंने कारगिल युद्ध के वीर शहीदों के अदम्य साहस और बलिदान का स्मरण करते हुए कैडेट्स से राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि शहीदों के आदर्शों को अपनाकर ही सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित भारत का निर्माण संभव है। इस अवसर पर प्रो. नीलम पाठक, डॉ. अनुराग तिवारी, डॉ. दिनेश सिंह, डॉ. रवीन्द्र भारद्वाज, डॉ. शांभवी शुक्ला, प्रवीण मिश्रा एवं अंडर ऑफिसर दिव्यांशी पाठक सहित एनसीसी कैडेट्स उपस्थित रहे।

दीक्षांत की तैयारियों पर अधिकारियों संग कुलपति की बैठक

अयोध्या, 21 जुलाई, 2026। अवध विश्वविद्यालय में 31वें दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न समितियों की प्रगति, दीक्षांत व्याख्यान, निमंत्रण, मंच व्यवस्था, वार्षिक प्रत्यावेदन एवं भोजन व्यवस्था की समीक्षा की गई। कुलपति ने नवीन परिसर के मियावाकी गार्डन में 1000 से अधिक प्रजातियों के फलदार, छायादार एवं फूलदार पौधे लगाने के निर्देश दिए। भी चर्चा हुई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जैव विविधता का संरक्षण पर्यावरण संतुलन और मानव जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। बैठक में मॉं–बेटी सम्मेलन, ग्रामीण खेल प्रतियोगिताओं, मिलेट एवं 'एक जिला एक उत्पाद' प्रदर्शनी सहित अन्य आयोजनों की तैयारियों पर उपस्थित रहे। कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, प्रो. एस. एस. मिश्र, प्रो. सी.के. मिश्र, प्रो. आशुतोष सिन्हा, प्रो. नीलम पाठक सहित विभिन्न समितियों के सदस्य

पर्यावरण विज्ञान के विद्यार्थियों ने बढ़ाया अवध विवि का गौरव

अयोध्या, 14 जुलाई, 2026। पर्यावरण विज्ञान विभाग के चार विद्यार्थियों का देश की प्रतिष्ठित पर्यावरण एवं वायु गुणवत्ता परामर्श कंपनियों में चयन हुआ है। विजय कुमार वर्मा, ऋषिका तिवारी एवं कंचन लता का चयन अरशद प्लानिंग प्रोफेशनल प्रा. लि. में एयर क्वालिटी इंटर्न तथा प्रतिमा सिंह का चयन जेए एनवायरो नेट प्रा. लि., जयपुर में एनवायरमेंट ट्रेनी के पद पर हुआ है। विभागाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार चौधरी ने कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों के परिश्रम और विभाग द्वारा प्रदान किए गए गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण का परिणाम है। उन्होंने सभी चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। छात्रों के उपलब्धि विभाग में हर्ष है।